शनिवार
23 ,मई , 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 103 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार

www.apnanalanda.com

राजगीर मलमास मेला में प्रकृति का कहर: आंधी-बारिश से मची तबाही, मंदिर झुका, मेडिकल कैंप पर गिरा पेड़

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्व प्रसिद्ध राजगीर मलमास मेला में शुक्रवार की शाम मौसम ने अचानक ऐसा रौद्र रूप दिखाया कि पूरे मेला क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। तेज आंधी और मूसलाधार बारिश ने कुछ ही मिनटों में मेले की व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। कई पंडाल, तोरण द्वार और अस्थायी संरचनाएं धराशायी हो गईं, जबकि बिजली के खंभे और तार क्षतिग्रस्त होने से पूरा मेला क्षेत्र अंधकार में डूब गया। इस प्राकृतिक आपदा के बीच एक ओर जहां श्रद्धालुओं और पर्यटकों में दहशत का माहौल रहा, वहीं दूसरी ओर प्रशासन और राहत दल देर रात तक स्थिति को सामान्य बनाने में जुटे रहे।सबसे बड़ा खतरा ब्रह्मकुंड के निकास द्वार के समीप लगाए गए मेडिकल कैंप में देखने को मिला। तेज हवाओं के कारण एक विशाल पेड़ कैंप के ऊपर आ गिरा। सौभाग्य से वहां मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों ने समय रहते खतरे को भांप लिया और बाहर निकल गए। यदि कुछ क्षण की भी देरी होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और कुछ देर के लिए भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। आंधी की वजह से मेला क्षेत्र में कई स्थानों पर बिजली के खंभे टूट गए और तार क्षतिग्रस्त हो गए। परिणामस्वरूप पूरे मेले की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। शाम होते-होते पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया। बिजली गुल होने सेझूले, मनोरंजन पार्क, मौत का कुआं और अन्य आकर्षण पूरी तरह बंद हो गए। बच्चों और पर्यटकों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा।प्रकृति के इस प्रकोप से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना अस्थायी श्रीराम मंदिर भी अछूता नहीं रहा। तेज आंधी के दबाव में मंदिर का ढांचा एक ओर झुक गया। मंदिर को झुकते देख वहां मौजूद श्रद्धालुओं में भय और चिंता फैल गई। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षेत्र को खाली करा दिया। बाद में मंदिर परिसर के आसपास बैरिकेडिंग कर लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई।आंधी और बारिश के कारण मेले की कई प्रमुख सड़कों पर पेड़, बांस-बल्लियां और अन्य सामान गिर गए, जिससे आवागमन बाधित हो गया। ब्रह्मकुंड के समीप राजीव पथ पर सबसे अधिक नुकसान दर्ज किया गया, जहां लंबे समय तक यातायात प्रभावित रहा। नगर परिषद, बिजली विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीमों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया। गिरे हुए पेड़ों और मलबे को हटाने के साथ बिजली व्यवस्था बहाल करने का प्रयास देर रात तक चलता रहा।

सीओ की कार्रवाई पर उठे सवाल, एक पक्ष पर डंडा तो दूसरे को खुली छूट!

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बेन प्रखंड के बेन पंचायत अंतर्गत रन्नु बिगहा गांव निवासी उमेश प्रसाद ने नालंदा के जिलाधिकारी को आवेदन देकर बेन अंचलाधिकारी पर एक ही सरकारी भूमि मामले में भेदभावपूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। मामले की प्रतिलिपि राजगीर के अनुमंडल पदाधिकारी को भी भेजी गई है।

आवेदन में उमेश प्रसाद ने कहा है कि गांव स्थित गैर मजरूआ पैन भूमि पर उनके पूर्वजों के समय से कब्जा रहा है। इस भूमि का उपयोग पटवन सहित अन्य आवश्यक कार्यों के लिए किया जाता रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त भूमि पर अवध प्रसाद और उनका भी वर्षों से कब्जा रहा है।उमेश प्रसाद के अनुसार, गत 16 मई को बेन अंचलाधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उनके कब्जे वाले हिस्से से जानवर, नाद तथा खूंटा हटवा दिया। जब उन्होंने कार्रवाई का कारण पूछा तो उन्हें बताया गया कि यह कदम जिला स्तर से मिले आदेश के आधार पर उठाया गया है।

आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया है कि जिस सरकारी भूमि के उपयोग पर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई, उसी खाता संख्या 156 एवं खेसरा संख्या 3747 की भूमि का उपयोग पड़ोसी अवध प्रसाद लगातार कर रहे हैं। इसके बावजूद उनके विरुद्ध किसी प्रकार की रोक अथवा कार्रवाई नहीं की गई है। उनका कहना है कि एक ही मामले में अलग-अलग व्यक्तियों के साथ अलग-अलग व्यवहार किया जाना न्यायसंगत नहीं है।ग्रामीण ने कहा कि यदि सरकारी भूमि के उपयोग पर रोक लगाना आवश्यक है तो नियम सभी संबंधित लोगों पर समान रूप से लागू होना चाहिए। अन्यथा इससे गांव में असंतोष और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।उमेश प्रसाद ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा सभी संबंधित पक्षों पर समान रूप से नियम लागू करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से न्यायपूर्ण निर्णय लेकर ग्रामीणों में विश्वास बनाए रखने की अपील भी की है।

मंत्री श्रवण कुमार ने आपदा पीड़ित परिवार को सौंपा चार लाख रुपये का सहायता चेक

सुधीर प्रसाद

बेन (अपना नालंदा)। बेन प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने आपदा प्रभावित परिवार को चार लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि का चेक प्रदान किया। यह सहायता राशि दाउदपुर गांव निवासी धनवंती देवी को उनकी पुत्री अंशिका कुमारी की असामयिक मृत्यु के उपरांत दी गई। जानकारी के अनुसार, बेन थाना क्षेत्र अंतर्गत दाउदपुर गांव की अंशिका कुमारी की 12 जुलाई 2025 को पानी में डूबने से मौत हो गई थी। राज्य सरकार द्वारा आपदा प्रबंधन प्रावधानों के तहत पीड़ित परिवार को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई। मंत्री श्रवण कुमार ने स्वयं धनवंती देवी को सहायता राशि का चेक सौंपते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

इस अवसर पर अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि सरकार के खजाने पर सबसे पहला अधिकार गरीबों, जरूरतमंदों और आपदा पीड़ितों का है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर संकट की घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और किसी भी परिस्थिति में उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराती रहेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार जनहित और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए लगातार कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और मांगों को मंत्री के समक्ष रखा। मंत्री ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके शीघ्र निष्पादन का भरोसा दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया।कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख रंजू देवी, अंचलाधिकारी, अंचल के नाजिर सहित कई जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस मौके पर अरविंद पटेल, टुनटुन सिंह, जितेंद्र सिंह, सुधीर प्रसाद, शैलेंद्र कुमार, कलीम मियां, पप्पू राम, नागमणि तथा मिथिलेश प्रसाद समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता मौजूद थे।पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता मिलने पर स्थानीय लोगों ने सरकार के इस कदम की सराहना की और इसे संकट की घड़ी में राहत पहुंचाने वाला महत्वपूर्ण सहयोग बताया।

बढ़ते पर्यावरण संकट से सपने हो रहे ध्वस्त, अब हरियाली बढ़ाना जरूरी

विजय प्रकाश उर्फ पिन्टू

नूरसराय (अपना नालंदा)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) नूरसराय में आयोजित एक्शन रिसर्च प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मिशन हरियाली नूरसराय के संस्थापक राजीव रंजन भारती ने शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेड़ कटने के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन लोगों को पेड़ लगाने की वजह भी तलाशनी चाहिए।

राजीव रंजन भारती ने कहा कि पर्यावरण संकट आज मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। बढ़ता प्रदूषण और घटता हरित क्षेत्र लोगों को बीमार बना रहा है, आर्थिक रूप से कमजोर कर रहा है तथा पलायन को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण का संकट लोगों के सपनों को भी खत्म कर रहा है। परमाणु युद्ध के बाद वैश्विक तापमान में वृद्धि दुनिया के सामने दूसरी सबसे बड़ी चुनौती है। इसके समाधान के लिए कार्बन उत्सर्जन कम करना और अधिक से अधिक पौधे लगाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि अब केवल समस्याओं पर चर्चा करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि हर व्यक्ति को समाधान के लिए आगे आना होगा। हरित आवरण बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं।कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा नौ से बारह तक के 117 शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। इस दौरान मिशन हरियाली की ओर से शिक्षकों को निजी भूमि पर पौधारोपण के लिए 103 महोगनी और 105 अमरूद के पौधे निःशुल्क वितरित किए गए। व्याख्याता संगम भारती ने सभी शिक्षकों को पौधों के संरक्षण और वृक्ष पालन का संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम में धर्मेंद्र कुमार, विनय प्रकाश, भूपेंद्र कुमार, विवेक कुमार, पी. सिंह, गीतांजलि भारती, आराधना कुमारी और भावना सिन्हा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

कबीर आश्रम फतेहपुर में दो दिवसीय यज्ञ आरंभ, गूंजा सत्संग का संदेश

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रहुई प्रखंड के फतेहपुर गांव स्थित श्री श्री 108 कबीर आश्रम में शुक्रवार से दो दिवसीय भव्य यज्ञ पूजा का शुभारंभ हुआ। धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल बना हुआ है। यज्ञ 22 मई की सुबह 8 बजे प्रारंभ हुआ, जो 23 मई 2026 तक चलेगा। आयोजन में नालंदा सहित विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में संत-महंथ एवं श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

आयोजनकर्ता संजय कुमार अगुआ ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी रहुई-निजाय रोड स्थित कबीर आश्रम में यज्ञ पूजा का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर परशुराम साहेब महंथ ने कहा कि कबीर साहेब की वाणी प्रेम, भाईचारे और मानवता का संदेश देती है तथा समाज को सही मार्ग दिखाती है। वहीं राज देव गोसाई अगुआ गुरु ने श्रद्धालुओं से कबीर वाणी के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सुकुमार दास साहेब, भासो साहेब, वृजनंदन दास, कालेश्वर दास, बलराम दास, सोनू साहेब, संजू देवी, अखिलेश राम और लैला देवी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इसके अलावा साहेब कबीर विचारन प्रचार केन्द्र भदवास सरकार वैशाली महुआ के दिगम्बर ठगन साहेब, प्रेमचंद्र साहेब तथा वर्तमान महंथ नमिथलेश साहेब की उपस्थिति भी आकर्षण का केंद्र रही।

आयोजन को सफल बनाने में संजय साहेब एवं मठा अधिकारी रहुई महेश पासवान उर्फ बतौरी दास सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आयोजन समिति ने नगर पंचायत रहुई सहित सभी श्रद्धालुओं और आगंतुकों को कार्यक्रम में शामिल होने का सादर आमंत्रण दिया है।

काला बिल्ला लगाकर स्वास्थ्यकर्मियों का विरोध दूसरे दिन भी जारी

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ, नालंदा के आह्वान पर शुक्रवार को दूसरे दिन भी नियमित एवं संविदा स्वास्थ्यकर्मियों ने काला बिल्ला लगाकर अपने-अपने कार्यस्थलों पर सरकारी कार्यों का निष्पादन किया। यह कार्यक्रम राज्य संघ द्वारा घोषित चरणबद्ध आंदोलन के तहत आयोजित किया जा रहा है।

संघ के उपाध्यक्ष राजीव रंजन, अनुपमा कुमारी, संयुक्त मंत्री वीरेंद्र कुमार, नीलम कुमारी, कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार, संघर्ष उपाध्यक्ष राजेश कुमार तथा संघर्ष संयुक्त मंत्री मो. शाकिब ने बताया कि जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत कर्मचारी शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की लंबित मांगों के समाधान को लेकर यह आंदोलन चलाया जा रहा है।अनुमंडल मंत्री अरुण कुमार, बिहारशरीफ अनुमंडल अध्यक्ष रागिनी कुमारी,परबलपुर अध्यक्ष शशिभूषण मिश्रा तथा अस्थावां अध्यक्ष सुमंत कुमार ने कहा कि संघ की प्रमुख मांगों में सभी संवर्गों के कर्मचारियों को नियमानुसार पदोन्नति का लाभ, एएनएम सहित राज्य संवर्ग के कर्मियों को मातृत्व अवकाश, उपार्जित अवकाश, सेवा संपुष्टि एवं एमएसीपी का लाभ शामिल है। इसके अलावा स्वास्थ्य समिति कर्मियों की संवर्ग नियमावली बनाकर सेवा समायोजन, शहरी एएनएम को निर्धारित अवकाश, संविदाकर्मियों की सेवा नियमित करने तथा आउटसोर्सिंग कर्मियों को न्यूनतम वैधानिक पारिश्रमिक 26 हजार रुपये प्रतिमाह देने की मांग भी उठाई गई।महिला उपसमिति की संयोजिका ज्योत्सना कुमारी, उपसंयोजिका रजनीश कुमारी, मीरा कुमारी, बेबी कुमारी एवं अर्पण कुमारी ने 1 जून 2026 को पटना के गर्दनीबाग में आयोजित राज्यस्तरीय प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक कर्मचारियों से भागीदारी की अपील की।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। हिलसा थाना क्षेत्र के मोती बिगहा गांव की एक विवाहिता ने दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए बिहारशरीफ महिला थाना में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता सोनम कुमारी ने अपने पति, ससुर, देवर तथा अन्य ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

महिला थाना को दिए आवेदन में सोनम कुमारी ने बताया कि उनकी शादी 4 मई 2017 को मोती बिगहा निवासी दिलीप कुमार के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। विवाह के दौरान उनके पिता संजय कुमार ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार सात लाख रुपये से अधिक खर्च कर दहेज दिया था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाने लगा। पीड़िता के अनुसार हाल ही में पति, ससुर और देवर ने मायके से और रुपये लाने का दबाव बनाया। जब वह बिना रुपये के ससुराल लौटीं तो उनके साथ मारपीट की गई, कमरे में बंद कर दिया गया तथा बच्चे को भी उनसे अलग कर दिया गया। महिला ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोग पेट्रोल छिड़ककर उनकी हत्या करने की बात कर रहे थे। किसी तरह मौका पाकर वह वहां से निकलकर मायके पहुंचीं और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी।

वहीं, पीड़िता के पिता संजय कुमार ने बताया कि उन्होंने कर्ज लेकर बेटी की शादी की थी, लेकिन इसके बावजूद लगातार पैसों की मांग की जाती रही। महिला थाना पुलिस ने मामले को गंभीर बताते हुए जांच शुरू कर दी है तथा दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

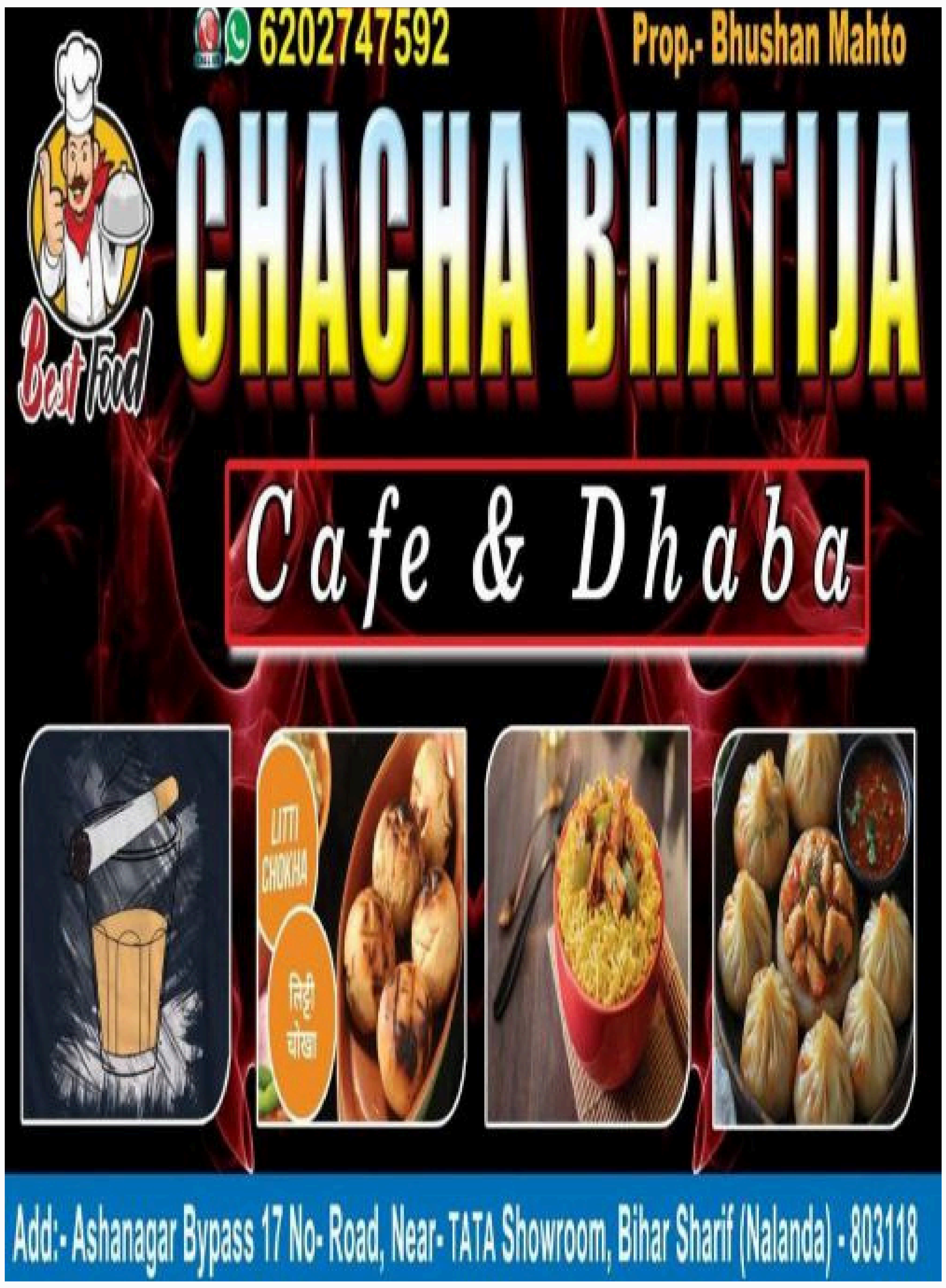

भीषण गर्मी के कारण नालंदा में कक्षा आठ तक शिक्षण व्यवस्था बदली

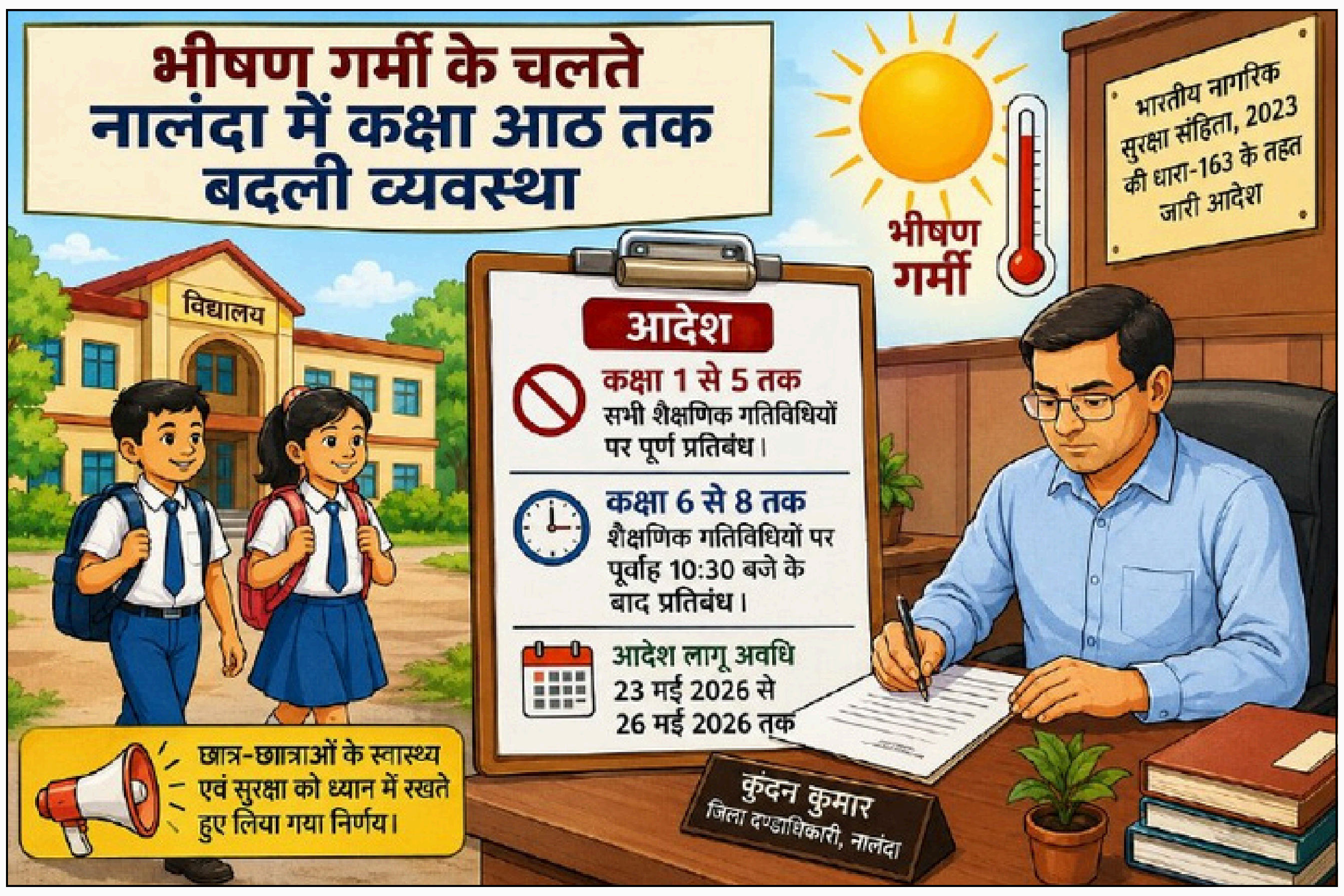

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिले में लगातार बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के मद्देनज़र महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिला दण्डाधिकारी कुंदन कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के तहत आदेश जारी करते हुए नालंदा जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों, प्री-स्कूल तथा आँगनबाड़ी केन्द्रों में शिक्षण गतिविधियों के संचालन संबंधी नई व्यवस्था लागू की है।

जारी आदेश के अनुसार कक्षा एक से पाँच तक की सभी शैक्षणिक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं कक्षा छह से आठ तक की शैक्षणिक गतिविधियों को पूर्वाह्न 10:30 बजे के बाद संचालित करने पर रोक रहेगी। विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया गया है कि वे छात्रों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए अपनी शैक्षणिक गतिविधियों और समय-सारिणी का पुनर्निर्धारण करें।

जिला प्रशासन ने कहा है कि वर्तमान में दोपहर के समय अत्यधिक गर्मी और लू जैसी स्थिति बनी हुई है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में एहतियातन यह कदम उठाया गया है ताकि विद्यार्थियों को गर्मी से होने वाली संभावित समस्याओं से बचाया जा सके।

यह आदेश 23 मई 2026 से 26 मई 2026 तक प्रभावी रहेगा। प्रशासन ने सभी विद्यालय संचालकों से निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा अभिभावकों को भी इसकी जानकारी देने का अनुरोध किया है।

दो दिन से सूखा नल-जल, बूंद-बूंद पानी को तरसे ग्रामीण; भीषण गर्मी में मचा हाहाकार

सुधीर प्रसाद

बेन (अपना नालंदा)। प्रखंड की बेन पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या-1 स्थित रत्नु बिगहा गांव में नल-जल योजना की मोटर खराब होने से पिछले दो दिनों से जलापूर्ति पूरी तरह ठप है। भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट गहराने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी की एक-एक बूंद के लिए लोग इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि नल-जल योजना बंद होने के कारण घरों में पीने, खाना बनाने और दैनिक उपयोग के लिए पानी का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। कई परिवार दूर-दराज के चापाकलों और निजी बोरिंगों से पानी लाकर किसी तरह अपनी जरूरतें पूरी कर रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को झेलनी पड़ रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि तेज धूप और भीषण गर्मी के कारण स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। केवल इंसान ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षी भी पानी के अभाव में परेशान हैं। गांव में पेयजल संकट के कारण त्राहिमाम की स्थिति बन गई है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि मोटर खराब होने की सूचना संबंधित विभाग एवं जनप्रतिनिधियों को दे दी गई है, लेकिन अब तक मरम्मत के लिए कोई पहल नहीं की गई है। विभागीय उदासीनता को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग से अविलंब खराब मोटर की मरम्मत कर नल-जल योजना को चालू कराने की मांग की है, ताकि लोगों को पेयजल संकट से राहत मिल सके। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

जांच में आरोपों की पुष्टि के संकेत, फिर भी पद पर कायम हैं प्रधान लिपिक

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा सिविल सर्जन कार्यालय के प्रधान लिपिक ओंकारनाथ के विरुद्ध लगाए गए आरोपों की विभागीय जांच और उसके बाद उनसे मांगे गए स्पष्टीकरण ने स्वास्थ्य विभाग में हलचल बढ़ा दी है। जांच प्रतिवेदन में कई बिंदुओं पर आरोपों से संबंधित तथ्यों की पुष्टि के संकेत मिलने के बावजूद उनके अब तक पद पर बने रहने को लेकर विभागीय गलियारों में चर्चा तेज हो गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहार जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा द्वारा निगरानी विभाग, बिहार को एक परिवाद सौंपा गया था। परिवाद में प्रधान लिपिक पर विभागीय कार्यों में अनियमितता, कर्मचारियों से कथित अवैध वसूली, नियम विरुद्ध प्रतिनियुक्ति तथा आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने 27 मार्च 2025 को तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया था।

सूत्रों के अनुसार जांच समिति में क्षेत्रीय अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, पटना प्रमंडल, अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, बिहार तथा सिविल सर्जन, नालंदा शामिल थे। समिति द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में कई आरोपों के संबंध में ऐसे तथ्य सामने आने की बात कही गई, जिनकेआधार पर संबंधित अधिकारी की संलिप्तता से पूरी तरह इंकार नहीं किया जा सकता। जांच दल ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से उनके स्थानांतरण की अनुशंसा भी की थी।

इसके बाद निदेशक प्रमुख (रोग नियंत्रण, लोक स्वास्थ्य एवं पारा मेडिकल), स्वास्थ्य सेवाएं, बिहार ने ओंकारनाथ को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 15 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। नोटिस में कहा गया है कि प्राप्त परिवाद और जांच प्रतिवेदन के आलोक में यह स्पष्ट करें कि उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। साथ ही चेतावनी दी गई है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विभागीय सूत्रों का कहना है कि जांच प्रतिवेदन और स्थानांतरण की अनुशंसा के बावजूद प्रधान लिपिक का उसी पद पर बने रहना कई सवाल खड़े कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों और आम लोगों के बीच भी यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

लोगों को उम्मीद है कि राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग इस प्रकरण में निष्पक्ष जांच कर दोष तय होने पर आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

दस वर्ष में जर्जर हुआ सकरी नदी पुल, आवागमन पूरी तरह बंद

प्रेम कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।बिहारशरीफ-कतरीसराय मुख्य मार्ग पर सकरी नदी पर बना पुल गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण प्रशासन ने इसे पूरी तरह बंद कर दिया है। दरियापुर के समीप स्थित यह पुल महज दस वर्ष पहले बनाया गया था, लेकिन अब इसकी स्थिति बेहद खतरनाक हो गई है। पुल की नींव के नीचे से मिट्टी खिसक जाने के कारण कई पायों में झुकाव आ गया है तथा कैपिंग में लगे लोहे के सरिए भी बाहर निकल आए हैं।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पुल के दोनों छोर पर ईंट की पक्की दीवार खड़ी कर वाहनों की आवाजाही रोक दी है। इससे किसी संभावित बड़े हादसे को टालने का प्रयास किया गया है। हालांकि पुल बंद होने से आसपास के लोगों की परेशानी काफी बढ़ गईहै।हाल ही में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) तथा बिहार राज्य पुल निर्माण निगम की संयुक्त तकनीकी टीम ने पुल का निरीक्षण किया था। जांच के बाद टीम ने इसे अत्यंत खतरनाक घोषित करते हुए इसके स्थान पर नए पुल के निर्माण की अनुशंसा की है।पुल बंद होने से नालंदा के पूर्वी क्षेत्र और शेखपुरा के पश्चिमी इलाके के बीच सीधा संपर्क प्रभावित हो गया है। दोनों जिलों की सीमा पर बसे दर्जनों गांवों के हजारों लोगों को आवागमन, व्यापार और दैनिक कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं कुछ बाइक चालक जोखिम उठाकर दीवार के ऊपर से अपनी बाइक पार करते नजर आ रहे हैं।

भैंस चराने गए व्यक्ति की ठनका गिरने से मौत, गांव में शोक

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर थाना क्षेत्र के पंडितपुर गांव में शुक्रवार शाम ठनका गिरने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान नगर परिषद वार्ड संख्या-07 पंडितपुर निवासी 38 वर्षीय राकेश कुमार, पिता बद्री प्रसाद के रूप में हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राकेश कुमार शाम के समय अपनी भैंस चराने के लिए बघार गए हुए थे। इसी दौरान मौसम खराब होने के बीच अचानक ठनका गिरने से वे उसकी चपेट में आ गए। घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई।

मामले की सूचना शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे राजगीर थाना पुलिस को मिली। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया।

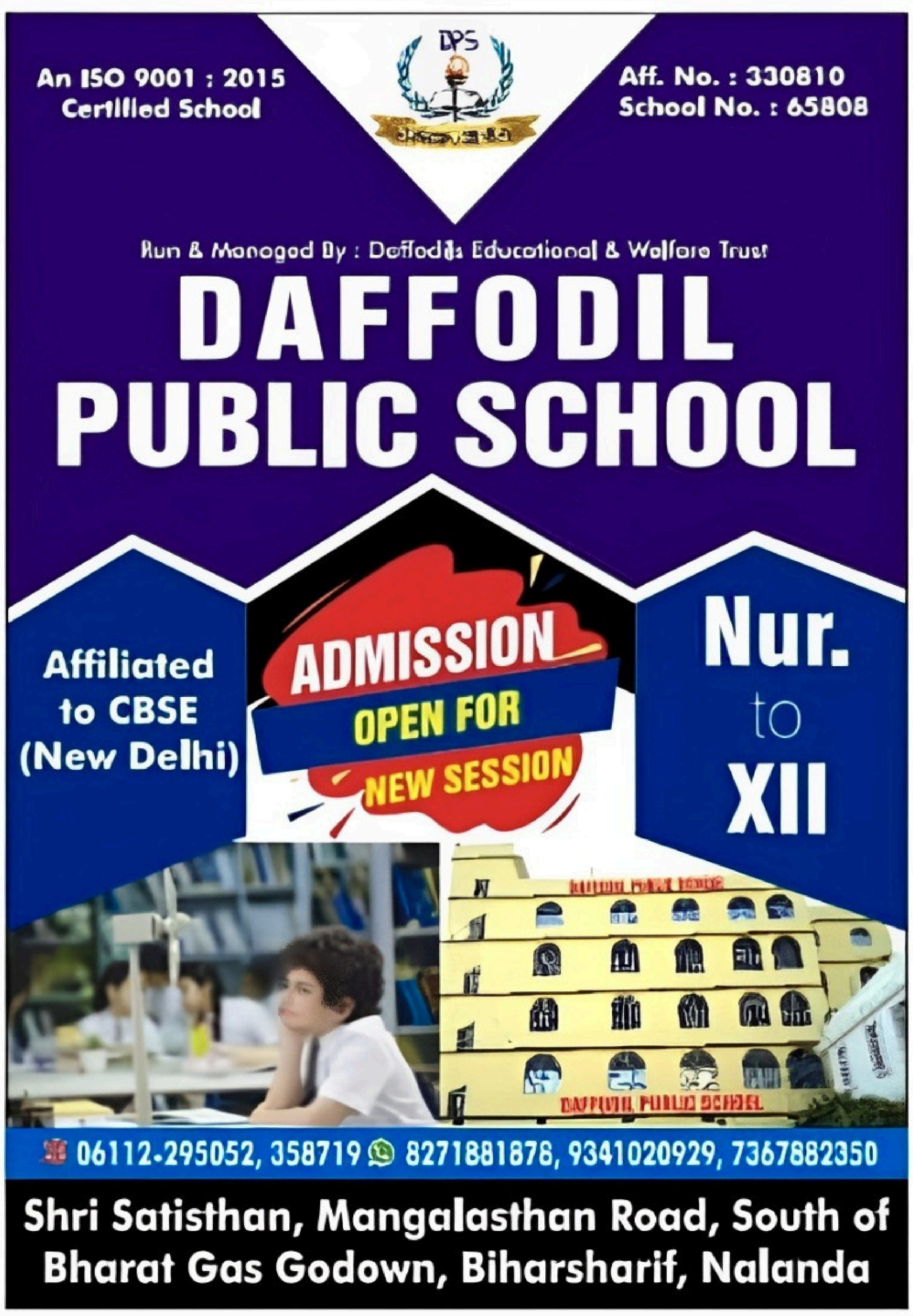

पुलिस के दम पर मजबूत हुआ सुशासन, दिवंगत जवानों के परिवारों को मिली 37.50 करोड़ की सहायता राशि : मुख्यमंत्री

जेपी चौधरी

पटना (अपना नालंदा)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में सुशासन की स्थापना और राज्य की समृद्धि का मार्ग पुलिस बल की मजबूती से होकर गुजरता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपराध और अराजकता पर नियंत्रण के बिना विकास संभव नहीं है तथा राज्य सरकार पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हरसंभव कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री बिहार पुलिस मुख्यालय स्थित सरदार पटेल भवन के सभागार में आयोजित 'बैंक ऑफ बड़ौदा बिहार पुलिस सैलरी पैकेज दिवंगत पुलिसकर्मी बीमा लाभ वितरण कार्यक्रम' को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 61 दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों को कुल 37 करोड़ 50 लाख रुपये की बीमा सहायता राशि के सांकेतिक चेक प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी व्यक्ति के जीवन की भरपाई धन से नहीं की जा सकती, लेकिन परिवार को आर्थिक संबल प्रदान कर उनके भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सकता है। उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कल्याणकारी कार्यक्रम अन्य विभागों में भी लागू किए जाने चाहिए, ताकि किसी कर्मचारी के असामयिक निधन के बाद उसके परिवार को आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि बिहार पुलिस के सशक्त होने से ही सुशासन मजबूत होगा और निवेश तथा औद्योगिक विकास के नए रास्ते खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग पुलिस कार्रवाई और मुठभेड़ों पर सवाल उठाते हैं, लेकिन पुलिस किसी की जाति देखकर कार्रवाई नहीं करती। अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कदम उठाना पुलिस का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि यदि कोई अपराधी पुलिस को चुनौती देगा तो उसे कानून के दायरे में रहकर कड़ा जवाब मिलेगा। मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी सुविधाओं पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस बल के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की जाएगी तथा पुलिसकर्मियों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक प्रस्तावों को मंत्रिमंडल से स्वीकृति दिलाई जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि पुलिसकर्मियों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि सरकार उनके साथ खड़ी है।

उन्होंने बताया कि बिहार के सभी 534 प्रखंडों में आदर्श विद्यालय स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार ऐसी शैक्षणिक व्यवस्था विकसित करना चाहती है, जहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए लोग स्वयं अपने बच्चों का नामांकन कराने की इच्छा रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार पुलिस में 30 हजार से अधिक महिला पुलिसकर्मी कार्यरत हैं, जो देश में सर्वाधिक संख्या है। राज्य में महिला सशक्तीकरण और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए महिला पुलिस बल की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है।

उन्होंने बिहार में औद्योगिक निवेश बढ़ाने पर भी बल देते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य 20 नवंबर 2026 तक राज्य में 5 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारना है। इसके लिए बेहतर कानून व्यवस्था और सुशासन सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं। कार्यक्रम में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, एडीजी संजय सिंह, बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबंधक सुब्रत कुमार स्वाई सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, पुलिसकर्मी एवं दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजन उपस्थित रहे।

हर प्रखंड में मॉडल स्कूल बनेंगे, आधुनिक शिक्षा से संवरेगा विद्यार्थियों का भविष्य

जेपी चौधरी

पटना (अपना नालंदा)। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा है कि सात निश्चय-3 के तहत राज्य के प्रत्येक प्रखंड में एक उच्च माध्यमिक विद्यालय को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की परिकल्पना और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में यह अभियान तेज गति से आगे बढ़ रहा है, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मॉडल स्कूलों में स्मार्ट कक्षाएं, ई-पुस्तकालय, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं तथा खेलकूद की बेहतर सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसके साथही अनुभवी शिक्षकों और विषय विशेषज्ञों की सहायता से छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं, चिकित्सा एवं अभियंत्रण प्रवेश परीक्षाओं सहित विभिन्न प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों के लिए मजबूत शैक्षणिक आधार प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 के बाद बिहार में शिक्षा क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिला है। विद्यालयों की संख्या 53 हजार से बढ़कर 75 हजार से अधिक हो चुकी है तथा राज्य के अधिकांश टोले सरकारी विद्यालयों की पहुंच में आ गए हैं। पंचायत स्तर पर उच्च विद्यालयों की स्थापना और बारहवीं तक पढ़ाई की व्यवस्था से छात्राओं को विशेष लाभ मिला है। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि साइकिल और पोशाक जैसी योजनाओं के कारण छात्राओं की शिक्षा में भागीदारी बढ़ी है।

प्रदूषण मुक्त बिहार अभियान का आगाज, हर शुक्रवार बनेगा 'नो पॉल्यूशन डे'

संजय कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बिहार में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण और गिरती वायु गुणवत्ता को देखते हुए राज्यव्यापी 'प्रदूषण मुक्त बिहार' महाअभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत अब प्रत्येक शुक्रवार को पूरे राज्य में 'नो पॉल्यूशन डे' मनाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य लोगों को स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा वाहनों और औद्योगिक गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण को कम करना है।

राजधानी पटना समेत बिहार के कई जिलों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगातार 150 से 200 के बीच दर्ज किया जा रहा है, जो स्वास्थ्य के लिए चिंताजनक माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार हवा में मौजूद सूक्ष्म प्रदूषक कणों के कारण अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, फेफड़ों के संक्रमण और हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव अधिक पड़ रहा है।

इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए शुक्रवार को ग्रामीण विकास एवं सूचना जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने पटना के बेली रोड स्थित पुनाईचक दुर्गा मंदिर के समीप हरे रंग के गुब्बारे उड़ाकर अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ हवा प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और बिहार को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने लोगों से सप्ताह में कम-से-कम एक दिन निजी वाहनों का उपयोग न करने और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने की अपील की।

कार्यक्रम के बाद मंत्री के नेतृत्व में एक विशाल जागरूकता पदयात्रा निकाली गई। 'साफ हवा, स्वस्थ बिहार' और 'प्रदूषण मुक्त बिहार' जैसे नारों के साथ हजारों लोगों ने इसमें भाग लिया। यह पदयात्रा इको पार्क होते हुएमंत्रालय तक पहुंची और पुनः कार्यक्रम स्थल पर समाप्त हुई।

अभियान के निदेशक एवं जदयू के प्रदेश महासचिव डॉ. धर्मेंद्र कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि प्रत्येक शुक्रवार को लोग पेट्रोल-डीजल वाहनों के स्थान पर साइकिल, पैदल यात्रा अथवा सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। साथ ही छोटे उद्योग, चिमनी एवं ईंट-भट्ठा संचालकों से भी स्वेच्छा से एक दिन उत्पादन बंद रखने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से चलने वाला सामाजिक आंदोलन है।

उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में राज्य के विभिन्न जिलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें समाज के प्रतिष्ठित लोग और विभिन्न क्षेत्रों की प्रसिद्ध हस्तियां भाग लेंगी। राज्य सरकार भी इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने, साइकिल ट्रैक विस्तार तथा पर्यावरण अनुकूल तकनीकों को प्रोत्साहित करने की दिशा में नई नीतियां तैयार कर रही है।कार्यक्रम का संचालन पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता डॉ. अमित कुमार पासवान ने किया। इस अवसर पर सन्नी कुमार, काजल कुमारी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं और आम नागरिक उपस्थित रहे।

जनता दरबार में 52 मामलों की सुनवाई, त्वरित समाधान के निर्देश

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके समयबद्ध समाधान का आश्वासन दिया। जिला पदाधिकारी द्वारा 13 आवेदनों की सुनवाई की गई, जबकि समाहरणालय स्थित ग्राम प्लेक्स भवन में उप विकास आयुक्त डॉ. प्रीति एवं अन्य अधिकारियों ने 39 आवेदनों की सुनवाई की। इस प्रकार कुल 52 मामलों का निस्तारण जनता दरबार में किया गया।

जनता दरबार में शिक्षा, स्वास्थ्य, अतिक्रमण, परिमार्जन, भू-अर्जन भुगतान, नाली-गली निर्माण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, विद्युत आपूर्ति तथा जलजमाव जैसी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। शिक्षा विभाग से जुड़े विद्यालय नामांकन के पांच मामले, स्वास्थ्य के दो मामले तथा अतिक्रमण से संबंधित सात मामलों पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

जिला पदाधिकारी ने भूमि विवाद एवं अतिक्रमण से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अंचल अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और आवेदकों को समय पर न्याय दिलाना सुनिश्चित किया जाए।

जनता दरबार में अपर समाहर्ता राजस्व अनिल कुमार सिन्हा, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजीव कुमार, डीआरडीए निदेशक रोहित कुमार मिश्रा, वरीय उप समाहर्ता होमा इरफान सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मेधावी छात्र सम्मान समारोह में प्रतिभाओं का हुआ सम्मान, एसपी ने बढ़ाया उत्साह

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जिले में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह में पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए और विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शिक्षा समाज में सकारात्मक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज के युवा ही कल के राष्ट्र निर्माता हैं और सही दिशा में निरंतर प्रयास करने से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। उन्होंने छात्रों से नैतिक मूल्यों को अपनाने तथा समाज और देश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रंजन सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने तथा शिक्षा के माध्यम से जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का संदेश दिया। साथ ही सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।समारोह में मौजूद गणमान्य व्यक्तियों ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों के चेहरों पर खुशी और गर्व साफ दिखाई दे रहा था। कार्यक्रम का माहौल उत्साह, प्रेरणा और उपलब्धियों के उत्सव से सराबोर रहा।

पुलिस पर फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। दीपक कुमार हत्याकांड के मुख्य आरोपी माने जा रहे अपराधी रावण को जहानाबाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने शहर के फिदा हुसैन रोड क्षेत्र से आरोपी को दबोचा। पुलिस के अनुसार हत्या की घटना के महज दो दिनों के भीतर मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी बड़ी सफलता मानी जा रही है।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी को हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए संबंधित स्थान पर ले जाया गया। इसी दौरान उसने झाड़ियों में छिपाए गए हथियार को निकालकर पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए हमले के बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के एक पैर में गोली लग गई। गोली लगने से वह घायल होकर मौके पर गिर पड़ा, जिसके बाद उसे तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी की स्थिति स्थिर है और उसका उपचार जारी है। घटना के बाद हथियार भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है तथा अपराध से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

स्थानीय लोगों ने हत्या के आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी और पुलिस की कार्रवाई की सराहना की है। लोगों का मानना है कि इससे अपराधियों में कानून का भय बढ़ेगा तथा आमजन का पुलिस पर विश्वास और मजबूत होगा।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का डीएम ने किया मासिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय ने शुक्रवार को जिले के ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक बाह्य निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, रख-रखाव तथा अन्य आवश्यक प्रबंधों का गहन अवलोकन किया गया।

जिला पदाधिकारी ने वेयरहाउस परिसर की समुचित व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने मशीनों की सुरक्षा और रखरखाव से जुड़े विभिन्न पहलुओं कीसमीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा एवं संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया।

निरीक्षण के बाद जिला पदाधिकारी ने वेयरहाउस की स्थिति, स्वच्छता और रखरखाव पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में भी निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं बनाए रखने का निर्देश दिया, ताकि निर्वाचन संबंधी कार्यों में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।इस अवसर पर अपराजित लोहान, उप निर्वाचन पदाधिकारी तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने वेयरहाउस की सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक जानकारी साझा की।

Kalope
HOMES
Now in
BIHAR SHARIF
PREMIUM MODULAR KITCHEN
@ ₹99,999 में.
Upgrade Your Home with Luxurious uPVC Kitchen
ZERO WOOD TECHNOLOGY
No Wood
100% Waterproof uPVC
Termite Proof
Low Maintenance
10 YEAR WARRANTY
LIMITED OFFER FOR FIRST 20 CUSTOMERS ONLY
BOOK FREE SITE VISIT »
+91 74887 06578
*T&C Apply | Limited Offer

मलमास मेले में राजगीर जू सफारी बनी आकर्षण का केंद्र, सुविधाएं दुरुस्त

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर में आयोजित मलमास मेला 2026 के दौरान लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आगमन को देखते हुए राजगीर जू सफारी प्रशासन ने व्यापक एवं सुव्यवस्थित तैयारियां की हैं। पर्यटकों की सुविधा, सुरक्षा तथा सुगम आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जू सफारी परिसर में विशेष व्यवस्थाएं लागू की गई हैं, जिससे यहां आने वाले लोगों को बेहतर अनुभव प्राप्त हो सके।

मलमास मेले के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए जू सफारी प्रशासन ने पार्किंग संख्या-05 से जरादेवी तक निःशुल्क विशेष बस सेवा का संचालन शुरू किया है। यह सेवा विशेष रूप से उन पर्यटकों के लिए लाभदायक साबित हो रही है, जिन्होंने ऑनलाइन माध्यम से टिकट बुक कराया है। बस सेवा के कारण पर्यटकों को लंबी दूरी पैदल तय नहीं करनी पड़ रही है तथा उनके आवागमन में सुगमता आई है। इससे भीड़ प्रबंधन में भी प्रशासन को काफी मदद मिल रही है।

गर्मी और उमस के मौसम को देखते हुए जू सफारी परिसर में विभिन्न स्थानों पर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अतिरिक्त वॉटर प्वाइंट स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर पर्यटकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। इसके साथ ही आकस्मिक स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए मेडिकल कियोस्क की व्यवस्था भी की गई है, जहां प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध है। चिकित्सकीय सहायता के लिए प्रशिक्षित कर्मियों को भी तैनात किया गया है।

पर्यटकों के आराम को ध्यान में रखते हुए परिसर के विभिन्न हिस्सों में अतिरिक्त लकड़ी की बेंच लगाई गई हैं, ताकि बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे आराम कर सकें। इसके अलावा मार्गदर्शन के लिए आकर्षक एवं स्पष्ट दिशा-

सूचक संकेतक लगाए गए हैं, जिससे पर्यटक बिना किसी भ्रम के अपने गंतव्य तक पहुंचसकें। जू सफारी प्रशासन ने पर्यटकों की सहायता के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित 'पर्यटक मित्रों' की तैनाती भी की है। ये कर्मी आगंतुकों को आवश्यक जानकारी देने के साथ-साथ उनकी समस्याओं के समाधान में सहयोग कर रहे हैं।

स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए अतिरिक्त सफाईकर्मियों और सुरक्षा कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। पूरे परिसर की नियमित निगरानी की जा रही है ताकि कहीं भी अव्यवस्था उत्पन्न न हो। भीड़ नियंत्रण और वन्यजीव क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त वनपालों एवं वनरक्षियों की भी तैनाती की गई है। इससे जू सफारी परिसर में व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रित और सुचारु बनी हुई है।

जू सफारी प्रशासन के अनुसार मलमास मेला अवधि के दौरान सभी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है। प्रशासन का उद्देश्य प्रत्येक श्रद्धालु और पर्यटक को सुरक्षित, सुविधाजनक तथा यादगार अनुभव प्रदान करना है। बेहतर यातायात व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाएं, स्वच्छता, सुरक्षा और पर्यटक सहायता सेवाओं के कारण राजगीर जू सफारी इस बार मलमास मेले के प्रमुख आकर्षणों में शामिल हो गई है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और प्राकृतिक वातावरण के बीच वन्यजीवों का आनंद उठा रहे हैं।

मलमास मेला में घर पर 'स्वायल प्रोबायोटिक्स' प्राकृतिक खाद बनाने की दी गई जानकारी

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।राजगीर में चल रहे मलमास मेला में कृषि विभाग द्वारा लगाये गये कृषि मेला में चौथे दिन घर पर स्वायल प्रोबायोटिक्स बनाने की जानकारी मेला घूमने आये कृषि के प्रति जागरूक युवाओं को दी गई।

जानकारी देते हुए फार्मर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित प्राकृतिक खेती के जिला निगरानी समिति के सदस्य वीर अभिमन्यु सिंह ने बताया कि अगर वर्तमान और भविष्य की पीढ़ी को स्वस्थ और तंदुरुस्त देखना चाहते हैं तो सबसे पहले रसायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग बंद कर दें।

उत्पादन कम होने और प्राकृतिक खाद में लागत अधिक होने के सवाल पर श्री सिंह ने कहा कि प्राकृतिक खाद के प्रयोग से उत्पादन में कमी नहीं आती है। बल्कि दाने पुष्ट, स्वास्थ्य वर्धक और स्वादिष्ट होती है।

उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि हाल ही में मुंबई के हिंगोली जिले के दो लाख महिलाओं पर एक सर्वे की गई। जिसमें चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आयी। दो लाख महिलाओं में से 14 हजार 5 सौ 42 महिलाओं में कैंसर के तत्व पाए गए। अब बताइए कि इतनी तादाद में बीमार लोगों के लिए डाक्टर कहां से आयेंगे। ला ईलाज बिमारियों को रोकने के लिए डाक्टरों की नहीं बल्कि प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों की जरूरत है। आप युवाओं जागृत आत्मा हैं जो रंगारंग कार्यक्रम और मौज मस्ती को छोड़कर जैविक और प्राकृतिक खेती की जानकारी लेने आये हैं।

प्राकृतिक खाद मंहगी नहीं है सिर्फ सोच का फर्क है। कोई भी किसान गुड़ गोबर और मट्ठा से अपने घर पर स्वायल प्रोबायोटिक्स प्राकृतिक खाद आसानी से बना सकते हैं। इससे पौधों, मिट्टी, पर्यावरण समेत मनुष्यों को भी कई फायदे होंगे। यह एक स्वायल प्रोबायोटिक्स है अर्थात मिट्टी में लाभदायक जीवाणु बढ़ाने का एक फार्मूला है। यह फंगल इन्फेक्शन को रोकने और पौधों को कीटों से बचाने में मदद करते हैं। पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। मिट्टी को उपजाऊ बनाता है।

जिससे पौधों को बेहतर तरीके से बढ़ने में मदद मिलती है। इससे मिट्टी में नमी बनी रहती है, जो पौधों के लिए फायदेमंद होती है।

पौधों को मजबूत आधार मिलता है, जिससे वे आसानी से खड़े रह सकते हैं। इसके प्रयोग से कम खाद में भी अच्छी पैदावार होती है। यह मिट्टी की उर्वरक क्षमता को बढ़ाता है, सूक्ष्मजीवों को बढ़ावा देता है और मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

यह मिट्टी में एक प्राकृतिक कंडीशनर की तरह काम करता है, जिससे मिट्टी का टेक्सचर बेहतर होता है। इसमें मौजूद सूक्ष्म पोषक तत्व मिट्टी में सूक्ष्मजीवों को बढ़ावा देते हैं, जो मिट्टी की उर्वरक क्षमता को बढ़ाते हैं। मिट्टी की ताकत बढ़ाता है, जिससे बाली और दाने अच्छे आते हैं। खास बात यह है कि जमीन में अनावश्यक रूप से पड़े फास्फोरस को उपयोगी बनाकर पौधों को उपलब्ध कराती है।

इसमें मुख्य पोषक तत्व नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटैशियम के अलावा गौण पोषक तत्व कैल्शियम, मैग्नीशियम और सल्फर एवं लोहा, जस्ता, मैगनीज, तांबा, बोरोन, मोलिब्डेनम, क्लोरीन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व होते हैं, जो पौधे के विकास के लिए आवश्यक होते हैं। साथ ही तीन आधारभूत पोषक तत्व कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन जैसे पोषक तत्व प्रकृति (हवा और पानी) से पौधे को अपने आप मिल जाते हैं।

अधिकारी बोलें :

मेला घूमने आये दर्शकों से अपील है कि ग्राम श्री मेला में कृषि विभाग के स्टाल का भी भ्रमण करें और प्राकृतिक खेती किसानी की जानकारी लें। नितेश कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी, नालंदा।

अत्यधिक लोड से बार-बार जल रहा केबल, ग्रामीणों ने उठाई अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर की मांग

संजय वर्मा

नवादा (अपना नालंदा)। कौआकोल पंचायत के वार्ड संख्या 12 एवं 02 स्थित थाना रोड से निमतल्ला क्षेत्र में पिछले 20 घंटे से अधिक समय से विद्युत आपूर्ति ठप रहने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच बिजली नहीं रहने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोगों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ रही है, वहीं पेयजल संकट भी गहराता जा रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत विभाग समस्या के समाधान को लेकर गंभीर नहीं है। उनका कहना है कि थाना के समीप स्थापित ट्रांसफॉर्मर पर अत्यधिक लोड होने के कारण बार-बार केबल जल जाता है, जिससे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है। ग्रामीणों ने विभाग से शीघ्र एक अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग की है ताकि बार-बार उत्पन्न होने वाली इस समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

ग्रामीणों का कहना है कि बिजली बाधित रहने

से घरों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो गई है। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द बिजली बहाल नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

इस संबंध में विद्युत विभाग के कनीय अभियंता अनीश कुमार ने बताया कि विभाग की ओर से पहले ही उक्त क्षेत्र में अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाने की पहल की गई थी, लेकिन स्थानीय विरोध के कारण उसे वापस लौटाना पड़ा। उन्होंने कहा कि जले हुए केबल को बदलने का कार्य कराया जा रहा है तथा जल्द ही विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

पूर्व प्रधानाध्यापक जनार्दन प्रसाद के निधन पर पेंशनर समाज ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

संजय वर्मा

नवादा (अपना नालंदा)। मध्य विद्यालय अकबरपुर के पूर्व प्रधानाध्यापक एवं सम्मानित शिक्षाविद् जनार्दन प्रसाद के आकस्मिक निधन पर नवादा पेंशनर समाज द्वारा शोक सभा आयोजित कर गहरा दुःख व्यक्त किया गया। सभा की अध्यक्षता पेंशनर समाज के सचिव राम नरेश प्रसाद सिंह ने की। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।शोक सभा को संबोधित करते हुए सचिव राम नरेश प्रसाद सिंह ने कहा कि जनार्दन प्रसाद एक कुशल शिक्षक, मिलनसार व्यक्तित्व एवं समाजसेवी प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। उन्होंने अपने लंबे शिक्षकीय जीवन में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया और अनेक विद्यार्थियों के जीवन को दिशा प्रदान की। उनकी सरलता, विनम्रता और कर्तव्यनिष्ठा

के कारण समाज के सभी वर्गों में उन्हें विशेष सम्मान प्राप्त था।वक्ताओं ने कहा कि जनार्दन प्रसाद सदैव शिक्षकों, विद्यार्थियों और समाज के लोगों के सुख-दुःख में सहभागी रहते थे। उनके निधन से शिक्षा जगत के साथ-साथ पूरे समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। सभी ने उनके आदर्शों को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।शोक सभा में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक अनूप प्रसाद यादव, सुरेश प्रसाद, रामचंद्र सिंह, हृदय नारायण सिंह, शशि भूषण वर्मा, उमाशंकर सिंह, विजय कुमार, गोरेलाल सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।